अगले हफ्ते दक्षिण भारत में बढ़ेगा मॉनसून

संजीव मुखर्जी
नई दिल्ली, 5 जून

मौसम की भविष्यवाणी करने वाली निजी क्षेत्र की एजेंसी स्काईमेट ने कहा है कि देश के दक्षिणी इलाकों में मॉनसूनी गतिविधियों में कोई तेजी आने की संभावना नहीं है, जहां पहले ही मॉनसून पहुंच गया है, जबकि पूर्वोत्तर भारत में जोरदार बारिश होगी।

वहीं सरकार द्वारा संचालित भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने अपने हाल की मौसम की जानकारी में कहा है कि 7 जून से दक्षिण के द्वीपीय इलाकों में बारिश की गतिविधियां बढ़ेंगी।

स्काईमेट ने कहा है कि अगले 5 दिन के दौरान कर्नाटक, केरल, माहे और लक्षद्वीप में गरज चमक के साथ हल्की से भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, पुदुच्चेरी में हल्की बारिश की फुहारें पड़ सकती हैं। कर्नाटक के दक्षिणी दूरस्थ इलाकों में अगले 5 दिन तक, तमिलनाडु में 6 और 7 जून को, केरल और माहे में 5, 7, 8 और 9 जून को, उत्तरी कर्नाटक के दूर के इलाकों में 8 जून को भारी बारिश हो सकती है।

मगर मौसम की भविष्यवाणी करने वाली निजी एजेंसी स्काईमेट का कहना है कि कमजोर चरण में पहुंचने वाला है मॉनसून

उत्तर पूर्व भारत के लिए मौसम विभाग ने कहा कि पूर्वोत्तर भारत और पश्चिम बंगाल में हिमालय से सटे इलाकों और सिक्किम में अगले 5 दिन तक तेज बारिश होने की संभावना है।

स्काईमेट वेदर में मेट्रोलॉजी और क्लाइमेट चेंज के वाइस प्रेसीडेंट महेश पालावत ने बिजनेस स्टैंडर्ड से कहा, 'दक्षिण भारत के द्वीपीय इलाकों में हम अगले एक सप्ताह, कम से कम 10 जून तक किसी भारी बारिश की उम्मीद नहीं कर रहे हैं। लेकिन उत्तर पूर्व भारत में मॉनसून सक्रिय बना रहेगा।'

उन्होंने कहा कि दक्षिण पश्चिमी मॉनसून के पहले 4 दिन में उनके आकलन के मुताबिक भारत में बारिश सामान्य से 32 प्रतिशत कम रही है, जबकि पूर्वोत्तर भारत में यह सामान्य से 11 प्रतिशत ज्यादा थी।

पालावत ने कहा, 'लेकिन अच्छी बात यह है कि ज्यादातर इलाकों में मॉनसून समय से पहले पहुंचेगा।'

इसके पहले मौसम विभाग ने कहा था कि दक्षिण पश्चिमी मॉनसून केरल में 1 जून की सामान्य तिथि के पहले 29 मई को मॉनसून पहुंच गया है।